घरेलू हिंसा से
महिलाओं का संरक्षण अधिनियम
२००५

Canada

Creating Spaces is undertaken with the financial support of the Government of Canada provided through Global Affairs Canada

ऑक्सफैम इंडिया
OXFAM
India

न्यायिक दंडाधिकारी

सुरक्षा अधिकारी

पुलिस

स्वास्थ्य सुविधा

पारिवारिक परामर्श

कानूनी सहयोग

अस्थायी आवासीय व्यवस्था

बाल सेवा

किसको यह कानून सुरक्षा देता है?

कोई भी महिला
जो घरेलू नातेदारी में है
जैसे »

पत्नी

माँ

यह कानून महिलाओं को सुरक्षा दिलाता है और घरेलू हिंसा को रोकता है।

बेटी

महिला जो किसी भी सम्बन्ध में रहती हो

बहन

घरेलू सम्बन्ध की कानूनी परिभाषा बहुत विस्तृत है। यहाँ दिये गये कुछ चित्र सिर्फ़ उदाहरण है। हिंसा की स्थिति में कोई भी महिला – जो इन सम्बन्धों में रहती हो, पुरुष के विरुद्ध शिकायत दर्ज़ कर सकती है।

क्या है घरेलू हिंसा के विभिन्न रूप?

शारीरिक हिंसा

उदाहरणः मारपीट, थप्पड़ मारना, ठोकर मारना, दांत काटना, मुक्का मारना, धक्का देना, लात मारना या किसी अन्य तरीके से शारीरिक चोट पहुँचाना।

यौनिक हिंसा

उदाहरणः ज़बरदस्ती यौन सम्बन्ध बनाना, बाल यौन अत्याचार, अश्लील साहित्य या अन्य सामग्री देखने व पढ़ने के लिये मज़बूर करना, महिला की मर्यादा को हानि पहुँचाना या अन्य यौनिक दुर्व्यवहार करना।

इस कानून के तहत करीबी, खून के, और कानूनी रिश्तों के बीच हिंसा के विरुद्ध शिकायत दर्ज़ किया जा सकता है।

आर्थिक हिंसा

उदाहरणः खाना कपड़ा दवाई आदि का खर्च ना देना या उपयोग ना करने देना, घर का किराया न देना, घर से ज़बरदस्ती निकाल देना,नौकरी न करने देना, वेतन या मज़दूरी छीन लेना, बिलों का भुगतान ना करना या घर के किसी भाग में ना जाने देना या तथा घर की वस्तुओं का उपयोग ना करने देना।

मानसिक हिंसा

उदाहरणः गाली गलौज करना, कलंक लगाना, बुराई करना, मज़ाक उड़ाना, दहेज आदि के लिये अपमानित करना, बच्चा या बेटा ना होने का ताना देना, शिक्षा या नौकरी के लिये अवरोध डालना, बाहर जाने या किसी व्यक्ति से मिलने से रोकना, अपनी पसन्द के व्यक्ति से विवाह करने या ना करने का दबाव डालना, आत्महत्या करने की धमकी देना या अन्य मौखिक दुर्व्यवहार करना।

कोई भी ऐसा कृत्य जो महिलाओं के आत्मसम्मान या मानवाधिकारों को नुकसान पहुंचाता है, हिंसा है। घरेलू हिंसा ज़्यादातर पुरूषों द्वारा महिलाओं के ऊपर होता है।

कैसे कोई महिला इस कानून के तहत सुरक्षा प्राप्त कर सकती है?

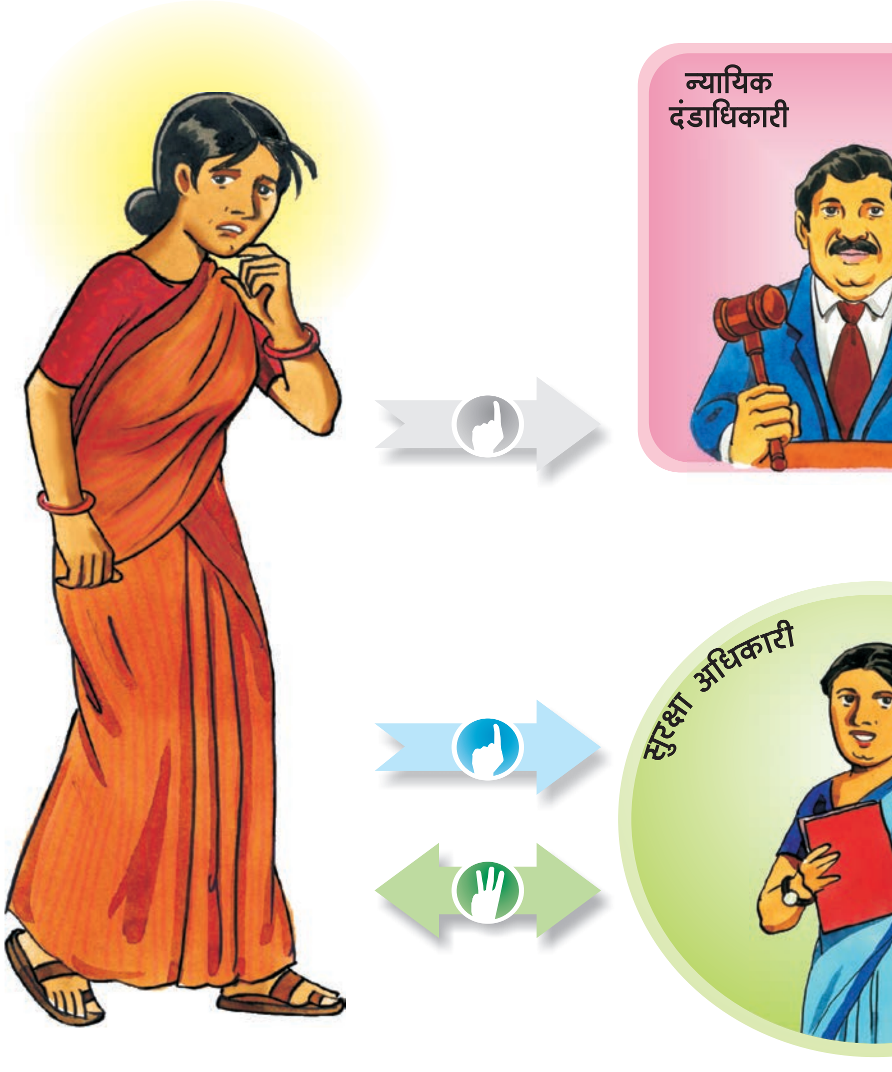

एक ही कानून के तहत महिला को तात्कालिक सहायता देने का प्रावधान है।

शिकायत

कोई भी महिला सुरक्षा अधिकारी के सहयोग से अथवा सीधे न्यायिक दंडाधिकारी के सामने अपनी शिकायत दर्ज़ करा सकती है।

वह सुरक्षा अधिकारी से फ़ोन या पत्र से सम्पर्क कर सकती है। साथ ही वह पुलिस स्वयंसेवी संस्था व पड़ोसी के मदद से शिकायत दर्ज़ कर सकती है।

न्यायिक आदेश

शिकायत दर्ज़ होने के बाद न्यायिक दंडाधिकारी पीड़िता के पक्ष में सरंक्षण अधिकारी को आदेश देता है।

इस आदेश के आधार पर पीड़िता को आवश्यकता अनुसार राहत एंव सहायता प्राप्त होती है।

सुरक्षा

सुरक्षा अधिकारी के द्वारा पीड़िता महिला के पक्ष में आवश्यक मदद एंव सुरक्षा सुनिश्चत की जायेगी।

सुरक्षा अधिकारी इस कार्य में आवश्यकता अनुसार सेवा प्रदाता एंव पुलिस की सेवा लें सकते हैं।

अपने क्षेत्र के सुरक्षा अधिकारी एंव न्यायिक दंडाधिकारी का नाम तथा स्थानीय संगठनों के नामों की जानकारी एंव सम्बन्धित नई जानकारियां रखिये।

किस तरह से यह कानून पीड़ित महिला को सुरक्षा प्रदान करती है?

यह कानून पीड़िता के लिये तात्कालिक राहत एंव पूर्ण रूपेण सहयोग प्रदान करती है।

पारिवारिक परामर्श

कानूनी सहयोग

आरोपी से सुरक्षा

अस्थायी आवासीय व्यवस्था एवं बाल सेवा

सुरक्षा अधिकारी तत्काल मदद की व्यवस्था कर सकते हैं एंव पुनः हिंसा न हो, इसके लिये सुरक्षा योजना तैयार करते है।

घरेलू हिंसा का सामना करने वाले (सरवाइवर) के अधिकार

निवास आदेश हिंसा करने वाले को औरत को घर से निकालने, घर को बेचने या उसके स्वामित्व को बदलने, और घर के किसी भी हिस्से में प्रवेश करने से रोकता है; हिंसा करने वाले को यह भी निदेश देता है कि ज़रूरत पड़ने पर उसे औरत के लिए दूसरे घर का इंतज़ाम करना पड़ेगा, और औरत को **बच्चों की निगरानी का अधिकार** देता है।

सुरक्षा आदेश किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा या सम्पर्क को रोकता है, हिंसा करने वाले को औरत के कार्यस्थल या बच्चे के स्कूल/ कॉलेज में घुसने से, सम्पत्ति को बेचने या उसके स्वामित्व को बदलने से, और औरत के बैंक अकाउंट/ लॉकर या स्त्रीधन के प्रयोग से रोकता है।

आर्थिक सहायता का मतलब है भरण-पोषण के लिए पैसे देना, मानसिक अत्याचार या चोट के लिए नुकसान भरपाई करना, आदि।

developed by

THOUGHTSHOP
FOUNDATION
thoughtshopfoundation.org

2018 edition